क्या 1 इतिहास 21:25 और 2 शमूएल 24:24 में अरूना की भूमि के लिए राजा दाऊद द्वारा चुकाई गई राशि में विरोधाभास है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

क्या यह 50 सिक्के थे या 600 सिक्के? क्या इसका मतलब है कि बाइबिल खुद से विरोध करती है?

उत्तर:
आइए सबसे पहले दोनों पदों को देखें:

2 शमूएल 24:24
“लेकिन राजा ने अरूना से कहा, ‘नहीं, मैं इसका मूल्य चुकाऊँगा। मैं यहोवा, मेरे परमेश्वर, को ऐसे जला देने वाले बली नहीं चढ़ाऊँगा, जिसकी मुझे कोई कीमत न पड़े।’ और इस प्रकार दाऊद ने थ्रेसिंग फ्लोर और बैल खरीदे और उनके लिए
पचास सिक्के चाँदी के चुकाए।”

1 इतिहास 21:25
“और दाऊद ने उस स्थल के लिए अरूना को छह सौ सिक्के सोने के चुकाए।”

पहली नजर में यह विरोधाभास लगता है। लेकिन ध्यान से देखें, तो दोनों ही कथन सही हैं—वे बस एक ही घटना के अलग पहलुओं का वर्णन कर रहे हैं।

क्या 1 इतिहास 21:25 और 2 शमूएल 24:24 में अरूना की भूमि के
लिए राजा दाऊद द्वारा चुकाई गई राशि में विरोधाभास है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

2 शमूएल में ध्यान तुरंत थ्रेसिंग फ्लोर और बलिदान के लिए इस्तेमाल होने वाले बैलों की खरीद पर है। इस छोटे हिस्से की कीमत 50 सिक्के चाँदी के थे। दाऊद को तत्काल इस बलिदान स्थल को बनाना था और यहोवा को बलिदान चढ़ाना था, ताकि उनकी जनगणना के पाप के कारण इस्राएल पर पड़ा रोग रुक सके (देखें 2 शमूएल 24:10–15)।

इसके विपरीत, 1 इतिहास 21 पूरे क्षेत्र की बात करता है—एक बड़ा स्थल जो बाद में सुलैमान के मंदिर का स्थान बनेगा। दाऊद ने पूरी संपत्ति के लिए 600 सिक्के सोने के चुकाए। यह बड़ी खरीद तत्काल संकट के बाद हुई, ताकि यह स्थान भविष्य में पूजा के लिए पूरी तरह से यहोवा का हो सके।

यह पद दाऊद के सच्चे भक्ति हृदय को दिखाता है। उन्होंने कहा, “मैं यहोवा, मेरे परमेश्वर, को ऐसे जला देने वाले बली नहीं चढ़ाऊँगा, जिसकी मुझे कोई कीमत न पड़े” (2 शमूएल 24:24)। यह दिखाता है कि सच्ची पूजा का अर्थ है व्यक्तिगत बलिदान और ईमानदारी से समर्पण।

साथ ही, पूरी भूमि की खरीद (जैसा कि 1 इतिहास में लिखा है) यह दिखाती है कि दाऊद केवल अस्थायी समस्या का समाधान नहीं कर रहे थे, बल्कि भविष्य के मंदिर के लिए नींव रख रहे थे, जहां आने वाली पीढ़ियाँ परमेश्वर की उपस्थिति की खोज करेंगी। यह दीर्घकालिक,

क्या 1 इतिहास 21:25 और 2 शमूएल 24:24 में अरूना की भूमि के
लिए राजा दाऊद द्वारा चुकाई गई राशि में विरोधाभास है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

वाचा आधारित दृष्टिकोण को दर्शाता है—पूजा सिर्फ तत्काल क्षण के लिए नहीं, बल्कि भगवान के लिए स्थायी स्थान बनाने के लिए होती है।

दोनों लेखकों (शमूएल और इतिहासकार) द्वारा अलग-अलग लागत को दर्शाना हमारी समझ को और गहरा करता है। एक तत्काल बलिदान की भावना को उजागर करता है; दूसरा पवित्र स्थान की स्थायी समर्पण को।

निष्कर्ष:
दाऊद ने थ्रेसिंग फ्लोर और बैलों के लिए 50 सिक्के चाँदी के चुकाए (2 शमूएल 24:24), और बाद में पूरे स्थल के लिए 600 सिक्के सोने के (1 इतिहास 21:25)। दोनों ही पद सही हैं; बस अलग-अलग पहलुओं को दर्शा रहे हैं।

यह हमें सिखाता है कि पूजा में, परमेश्वर को हमारी सर्वोत्तम सेवा मिलनी चाहिए—चाहे वह तत्काल हो या दीर्घकालिक। सच्चा बलिदान कुछ मूल्य चुकाने की मांग करता है, और परमेश्वर का सम्मान कभी-कभी केवल आवश्यक से आगे बढ़कर, उनके योग्य कार्य करने में है।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें, जब आप उन्हें सच्चाई और ईमानदारी के साथ पूजा करते हैं।

क्या 1 इतिहास 21:25 और 2 शमूएल 24:24 में अरूना की भूमि के लिए राजा दाऊद द्वारा चुकाई गई राशि में विरोधाभास है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp